# पाठ 11. वर्षा ऋतु

## कविता का उद्देश्य

प्रस्तुत कविता वर्षा ऋतु का वर्णन कर रही है। इस कविता द्वारा बच्चे वर्षा का महत्व, प्रकृति पर प्रभाव तथा इस ऋतु के आने से होने वाले परिवर्तनों का वर्णन किया गया है।

## कविता का सारांश

वर्षा ऋतु प्रकृति में नव यौवन भर देती है। रिमझिम-रिमझिम बूँदें मन को हर्षित कर देती हैं। बादल गरज-गरजकर आनंदित कर देने वाला संगीत सुनाते हैं। सूखी हुई नदियों में फिर से नया जीवन आ जाता है। वन-उपवन सब हरे-भरे हो जाते हैं। नए-नए पौधे पनप जाते हैं। चारों तरफ़ हरियाली छा जाती है तथा मोर मदमस्त होकर नाचने लगते हैं। हमें भी वर्षा की तरह अपने तथा दूसरों के जीवन को खुशियों से भर देना चाहिए तथा धरती पर एक सुंदर संसार का निर्माण करना चाहिए।

## अध्यापन संकेत

कविता का सस्वर वाचन करें। बच्चों से मौन पठन करने को कहें। बच्चों से पूछें, उन्हें वर्षा ऋतु कैसी लगती है। क्या वे बारिश में नहाते या कागज़ की नावें तैराते हैं?

- कविता की पंक्तियों का अर्थ स्पष्ट करें। **'सूखी सरिताओं ने फिर सुंदर नवजीवन पाया।'** – पंक्तियों का अर्थ है जब बारिश का मौसम आता है तो नदी-तालाब जो सूखे हो गए थे, उनमें जल भर जाता है। **'वन-उपवन पनप गए सब, कितने नव अंकुर आए।'** – अर्थ है कि वर्षा होने से पेड़-पौधों पर हरियाली छा जाती है। नई-नई कलियाँ निकलने लगती हैं। शाखाओं पर नए-नए पत्ते आ जाते हैं।
- कठिन शब्दों का अर्थ बताएँ।
- बच्चों को बताएँ, जब आकाश पर काले-काले बादल छाते हैं तब मोर खुशी से नाचने लगता है।
- संयुक्ताक्षरों का अभ्यास करवाएँ।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से कविता की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर कविता के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।